अजमेर शहर में जनांकिकीय सरंचना में जनसंख्या वृद्धि का विश्लेषण

*रामफूल यादव

शोध सारांश

किसी भी क्षेत्र के लिए जनसंख्या उसके जीवन के रक्त के रूप में होती है इसलिए जनसंख्या के अध्ययन के बिना क्षेत्र के किसी भी तत्व का अध्ययन सम्पूर्ण नहीं हो सकता। प्रस्तुत शोध प्रपत्र ***'अजमेर शहर में जनांकिकीय संरचना में जनसंख्या वृद्धि का विश्लेषण'*** के विश्लेषण में जनसंख्या का बहुत अधिक महत्व है। प्रस्तुत शोध प्रपत्र का मुख्य उद्देश्य अजमेर शहर की जनसंख्या में वृद्धि का विश्लेषण करना है। इस हेतु द्वितीयक आंकड़ों की सहायता ली गई है। किसी क्षेत्र की जनसंख्या वृद्धि उस क्षेत्र की नगरीय आकारिकी को प्रभावित करती है। यहीं कारण है कि जनसंख्या वृद्धि के साथ–साथ अजमेर शहर की भू–आकृति में बदलाव तीव्र गति से बढ़ रहा है। अजमेर शहर में वर्ष 2001 में कुल जनसंख्या 485575 थी, जो वर्ष 2011 में में बढ़कर जनसंख्या 542321 हो गयी है। जिसका वितरण अजमेर शहर के सभी स्थानों में समान नही है क्योंकि जनसंख्या वितरण को उच्चावच, जलवायु, मिट्टी, धरातल, जलापूर्ति, आर्थिक संसाधन (परिवहन, खनिज), सामाजिक–सांस्कृतिक आदि कारक प्रभावित करते हैं। अजमेर शहर के पूर्वी, दक्षिणी तथा मध्यवर्ती भाग में जनसंख्या का अधिकतम भाग पाया जाता है। अजमेर शहर में नगरीय सुविधाओं के कारण सघन जनसंख्या निवास करती है। दक्षिण–पश्चिमी भाग में पहाड़ियों का सघन जाल पाये जाने के कारण जनसंख्या विरल पाई जाती है।

किसी क्षेत्र या देश का आर्थिक विकास जिस प्रकार प्राकृतिक संसाधनों से प्रभावित होता है उससे कहीं अधिक योगदान क्षेत्र के आर्थिक विकास मे जनसंख्या का होता है प्राकृतिक संसाधन निष्क्रिय होते है लेकिन मानव ही प्राकृतिक संसाधनो का उपयोग करता है जनसंख्या, श्रम, पूर्ति, कार्य क्षमता, कार्यकुशलता, साक्षरता, स्वास्थ्य आदि सभी तथ्य मानव शक्ति के रूप मे प्रभाव दिखाते है।

संकेतांक : *जनसंख्या, नगरीय आकारिकी, उच्चावच, जलवायु, मिट्टी, धरातल, जलापूर्ति, आर्थिक संसाधन, सामाजिक–सांस्कृतिक, श्रम, पूर्ति, कार्य क्षमता, कार्यकुशलता, साक्षरता, स्वास्थ्य।*

परिचय :

किसी भी प्रदेश के नियोजित विकास में जनसंख्या सर्वाधिक महत्वपूर्ण घटक है। जनसंख्या वृद्धि का क्षेत्र के विकास पर अत्यधिक प्रभाव पडता है। जनसंख्या वृद्धि के साथ भूमि उपयोग मे परिवर्तन आना स्वभाविक है। बढती जनसंख्या जीविकोपार्जन हेतु भूमि पर आश्रित रहती है, परिणामस्वरूप भूमि उपयोग मे परिवर्तन आता है, जो एक सतत प्रक्रिया है। इस प्रकार जनसंख्या और भूमि का अन्योन्याश्रित सम्बंध हैं। जनसंख्या में वृद्धि होने पर कृषि में सुधार आता है तकनीक तथा कृषि भूमि उपयोग परिवर्तत होता है, जिससे वह बढती हुई जनसंख्या के लिये भोजन,

वस्त्र एवं उद्योगो के लिए कच्चा माल तथा अन्य आवश्यकताओ की पूर्ति कर सकें। कृषि भूमि उपयोग प्रणाली एवं कृषि तकनिक परस्पर सह–सम्बन्धित होते है। जनसंख्या मे वृद्धि होने पर कृषि भूमि का गहन उपयोग होने लगता है और तद्नुरूप तकनीकी मे परिवर्तन होने लगता है प्रबन्ध व उत्पादन के रूप मे कृषि से सम्बन्धित जनसंख्या उसके विकास का नियन्त्रक है।

अजमेर शहर में 2001 में कुल जनसंख्या 485575 थी तथा 2011 में जनसंख्या 542321 हो गयी है। जिसका वितरण अजमेर शहर के सभी स्थानों में समान नही है क्योंकि जनसंख्या वितरण को उच्चावच, जलवायु, मिट्टी, धरातल, जलापूर्ति, आर्थिक संसाधन (परिवहन, खनिज), सामाजिक–सांस्कृतिक आदि कारक प्रभावित करते हैं। अजमेर शहर के पूर्वी, दक्षिणी तथा मध्यवर्ती भाग में जनसंख्या का अधिकतम भाग पाया जाता है। अजमेर शहर में नगरीय सुविधाओं के कारण सघन जनसंख्या निवास करती है। दक्षिण–पश्चिमी भाग में पहाड़ियों का सघन जाल पाये जाने के कारण जनसंख्या विरल पाई जाती है।

जनसंख्या वृद्धि दर

किसी क्षेत्र की जनसंख्या वृद्धि दर उस क्षेत्र की आर्थिक प्रगति सामाजिक मान्यताओं, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि आदि का प्रतिफल होती है। एक निश्चित समयावधि में किसी स्थान के निवासियों की संख्या में हुये परिवर्तन को जनसंख्या वृद्धि द्वारा व्यक्त किया जाता है। जनसंख्या वृद्धि को कुल जनसंख्या तथा प्रतिशत दोनो के द्वारा व्यक्त किया जा सकता है। प्रतिशत मूल्य ज्ञात करने के लिये निरपेक्ष वृद्धि को विगत वर्ष की जनगणना से भाग देकर 100 से गुणा कर दिया जाता है तथा वास्तविक वृद्धि दर ज्ञात करने के लिये 10 का भाग देकर ज्ञात की जाती है।

सारणी 1: अजमेर शहर में दशकीय जनसंख्या वृद्धि

वर्ष	जनसंख्या	अन्तर	जनसंख्या वृद्धि (प्रतिशत में)
1941	147258	–	–
1951	196633	49375	33.53
1961	231240	34051	17.60
1971	264291	33051	14.29
1981	375593	111302	42.11
1991	402700	27107	7.22
2001	485575	82875	20.57
2011	542321	56746	11.68

स्त्रोतः जनगणना विभाग, राजस्थान–1941 से 2011 एवं नगर नियोजन, अजमेर।

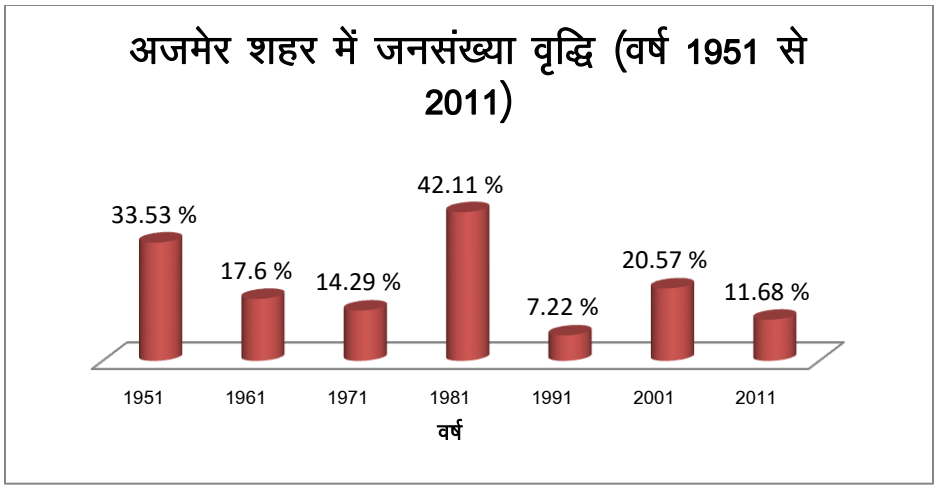

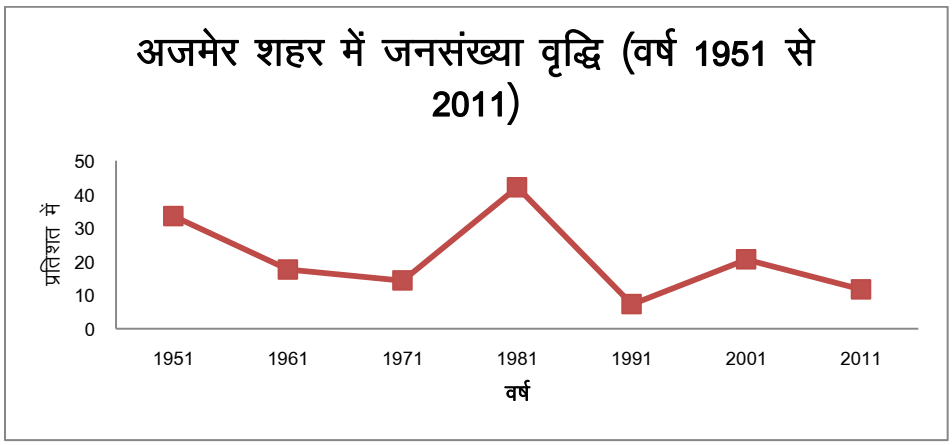

आरेख 1 : अजमेर शहर में दशकीय जनसंख्या वृद्धि

अजमेर शहर में जनसंख्या वृद्धि के अन्तर्गत वर्ष 1941 के दशक से वर्ष 2011 तक के दशक का अध्ययन किया गया है। वर्ष 1941 मे अजमेर की जनसंख्या 147258 थी जो वर्ष 1951 मे बढकर 196633 हो गई अर्थात 1941 से 1951 के दशक मे अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या मे 33.53 प्रतिशत की वृद्वि हुई, जो अजमेर शहर की सर्वाधिक जनसंख्या वृद्धि दर दर्ज की गई है। वर्ष 1951 से वर्ष 1961 के दशक मे क्षेत्र की जनसंख्या मे भारी गिरावट के साथ 17.61 प्रतिशत की वृद्वि हुई है।

वर्ष 1961 से 1971 के दशक मे क्षेत्र की जनसंख्या में वृद्धि कम हुई है यह वृद्धि 14.29 प्रतिशत रही है जिसमे परिवार नियोजन कार्यक्रमो की पालना का प्रभाव रहा है। वर्ष 1971 से वर्ष 1981 तक जनसंख्या वृद्धि का प्रतिशत बढ़ा है जो की 42.11 प्रतिशत रहा है। वर्ष 1981 से 1991 के मध्य यह 7.22 प्रतिशत रहा है, जो कि अब तक की सबसे कम वृद्धि अंकित की गई है जबकि वर्ष 1991 से 2001के दशक में यह वृद्धि बढ़कर 20.57 प्रतिशत हो गई।

वर्ष 2011 में पुनः यह घटकर 11.68 प्रतिशत हो गई। वर्ष 2011 में वृद्धि की दर में अचानक गिरावट में तेजी आई है, जिसका मुख्य कारण जागरूकता एवं शिक्षा का प्रचार रहा है। अतः अध्ययन से स्पष्ट है कि अजमेर शहर में जनसंख्या वृद्धि परिवर्तनशील और काफी उतार–चढ़ाव वाली रही है। संरचनात्मक सुविधाओं का विकास और उसकी गहनता से वृद्धि के साथ द्वितीयक और तृतीयक सेवाओं में वृद्धि का प्रभाव जनसंख्या वृद्धि पर हुआ है। अजमेर शहर की जनसंख्या वृद्धि दर को सारणी में दर्शाया गया है।

निष्कर्ष :

जनसंख्या वितरण एवं घनत्व दोनों परस्पर सम्बन्धित है लेकिन भिन्न सकंल्पनाऐं है जनसंख्या वितरण एवं घनत्व अध्ययन कि पृष्ठभूमि से पता चलता है कि जनसंख्या भूगोल के एक स्वतंत्र शाखा के रूप में विकसित होने से पूर्व ही जनसंख्या वितरण एवं घनत्व का आपसी सम्बंध किसी भी क्षेत्र की जनसंख्या की जानकारी प्राप्त करने के लिए जनसंख्या वितरण एवं घनत्व का विश्लेषण मुख्य आधार होता है। जनसंख्या वितरण प्रारूप न केवल मनुष्य के किसी क्षेत्र विशेष में बचाव सम्बधिंत अभिरूचि एवं विरूचि का द्योतक है। अपितु क्षेत्र में कार्यरत भौगोलिक कारकों के संश्लेषण का स्पष्ट प्रदर्शक भी होता है।

मानव सभ्यता के विकास एवं उसमें आई जटिलताओं के साथ–साथ न तो जनसंख्या वितरण प्रारूप ही सरलता से मिलता है और न ही इसके वितरण का स्पष्टीकरण क्योकि वर्तमान समय में जनसंख्या वितरण बहुत अधिक क्षेत्रिय विस्तार लिये हुये है और साथ ही राजनैतिक एवं प्रशासनिक ईकाईयाँ भी बढ गई है। अब जनसंख्या वितरण एवं घनत्व का अध्ययन एक जटिल प्रक्रिया जरूर है। लेकिन जनसंख्या भूगोल वेताओं ने जनसंख्या वितरण एवं घनत्व का सफलतापूर्वक विश्लेषण किया है।

***सहायक आचार्य**
भूगोल विभाग
राजकीय महाविद्यालय
अराई, अजमेर (राज.)

सन्दर्भ :

1. जिला गजेटियर, जिला अजमेर (2002)।
2. जिला सांख्यिकीय रूपरेखा, जिला अजमेर (2016)।
3. जनगणना रिपोर्ट, भारतीय जनगणना विभाग, 1991–2011, जिला अजमेर।
4. कार्यालय, अजमेर नगर निगम, अजमेर।
5. अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर।
6. डॉ. भल्ला, एल.आर. (2003) : राजस्थान का भूगोल, कुलदीप पब्लिशिंग हाउस, जयपुर, पृ. 68।